रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

001

201 (HAB)

2024

हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 80

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा भी होती है। लेकिन इसमें वह मजा नहीं, जो मिशनरी भाव से निन्दा करने में आता है। इस प्रकार का निन्दक बड़ा दुःखी होता है। ईर्ष्या-द्वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निन्दा का जल छिड़क कर कुछ शांति अनुभव करता है।

ऐसा निन्दक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौंकता है। ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा करने वाले को कोई दण्ड देने की जरूरत नहीं है, वह निन्दक बेचारा स्वयं दण्डित होता है। आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दण्ड चाहिए? निरन्तर अच्छे काम करते जाने से उसका दण्ड भी सख्त हो जाता है। जैसे एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्या ग्रस्त निन्दक को कष्ट होगा। अब अगर एक और अच्छी लिख दी, तो उसका कष्ट दुगुना हो जाएगा।

निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। मनुष्य अपनी हीनता से दबता है। वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है। उसके अहं की इससे तुष्टि होती है। बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है। ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और इससे उत्पन्न निन्दा को मारता है। इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है; क्योंकि वह निठल्ला है। स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे-बनाया महल और बिन-बोये फल मिलते हैं। अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती है। निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है। बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से। कई लोगों की प्रतिष्ठा ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती हैं। बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

Download from www.CCLChapter.com

कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हममें जो करने की क्षमता नहीं है, वह यदि कोई करता है तो हमारे पिलपिले अहं को धक्का लगता है, हममें हीनता और ग्लानि आती है। तब हम उसकी निन्दा करके उससे अपने को अच्छा समझकर तुष्ट होते हैं।

(क) ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दक को कोई दण्ड देने की आवश्यकता क्यों नहीं है? 1

(ख) मनुष्य निन्दा क्यों करता है? 2

(ग) देवताओं को किससे ईर्ष्या होती है? 1

(घ) ईर्ष्या-द्वेष से बचने का क्या उपाय है? 2

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) जनसंख्या वृद्धि
- (i) भारत में जनसंख्या की वृद्धि दर
- (ii) जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न संकट
- (iii) भविष्य में जनसंख्या की स्थिति
- (iv) जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

(ख) उत्तराखण्ड में प्राकृतिक आपदा
- (i) उत्तराखण्ड का प्राकृतिक स्वरूप
- (ii) प्राकृतिक आपदा के कारण
- (iii) प्राकृतिक आपदा की भयावहता
- (iv) आपदा से निपटने के उपाय

3. अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 4

अथवा

निकटवर्ती किसी पर्यटन स्थल के एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु अपनी कक्षा के विद्यार्थियों की ओर से अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थनापत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नांकित खण्ड 'क' एवं 'ख' में क्रियापद छाँटिए और उनके भेद लिखिए - $1 \times 2 = 2$

(क) मैं फुटबाल खेलता हूँ।

(ख) वह कक्षा में पढ़ रहा था।

निम्नांकित खण्ड 'ग' एवं 'घ' में यथानिर्देश उत्तर दीजिए - $1 \times 2 = 2$

(ग) ईश्वर सर्वव्यापी है अर्थात् वह सब जगह मौजूद है। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

(घ) शाबाश! तुमने महत्वपूर्ण कार्य किया। (विस्मयादि बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

Download from www.CCLChapter.com

5. निम्नांकित का यथानिर्देश उत्तर दीजिए - 1×4=4

(क) गोपाल ने नवनीत खाया। (कर्मवाच्य में परिवर्तन कीजिए)

(ख) राम के द्वारा धनुष तोड़ा गया। (कर्तृवाच्य में परिवर्तन कीजिए)

(ग) माली फूल उगाता है। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए)

(घ) यदि तुम परिश्रम करते तो प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते।(रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से 'पयोधर' शब्द का अर्थ छाँट कर लिखिए- 1

(i) पर्वत (ii) वारिद (iii) नीरधि (iv) नीरज

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से कौन 'राकेश' शब्द का अर्थ नहीं है- 1

(i) दिनकर (ii) मयंक (iii) सुधांशु (iv) चन्द्रमा

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिये गये किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम को मृदु वाणी में क्या समझाया?

(ख) लक्ष्मण ने अपनी कुल परम्परा के बारे में क्या बताया?

(ग) 'इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं' में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनन्त-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे - यह गागर रीती।

(क) 'असंख्य जीवन-इतिहास' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'अपना व्यंग्य-मलिन उपहास' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'गागर रीती' से आप क्या समझते हैं?

Download from www.CCLChapter.com

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) फागुन में ऐसा क्या होता है जो अन्य ऋतुओं में नहीं होता? 'अट नहीं रही है' कविता के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(ख) नागार्जुन की 'फसल' शीर्षक कविता का सार- संक्षेप अपने शब्दों में बताइए।

(ग) 'आत्मकथ्य' कविता में स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?

9. (क) गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है? 1

(ख) 'उत्साह' कविता का संदेश अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। 1

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है- यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं!

(क) आसाढ़ की रिमझिम का जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का चित्रण कीजिए।

(ख) बालगोबिन भगत के मधुर संगीत की विशेषताएँ बताइए।

(ii) पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं---क़ेवल दिया ही दिया। हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका-- न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

(क) लेखिका अपनी माँ को पिता के ठीक विपरीत क्यों देखती हैं?

(ख) लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व में कौन-कौन से गुण देखे और किस रूप में?

Download from www.CCLChapter.com

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा?

(ख) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि बालगोबिन भगत सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे।

(ग) 'एक कहानी यह भी' नामक आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों सम्बोधित किया है?

12. (क) हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को निहारते, क्यों? 'नेताजी का चश्मा' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 1

(ख) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(क) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं?

(ख) 'माता का अँचल' पाठ में तीस के दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस प्रकार के परिवर्तन दिखाई देते हैं?

(ग) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था?

(घ) जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं?

खण्ड-ब

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत - 2×3=6
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

हरिद्वारम् उच्चशिक्षायाः, संस्कृतशिक्षायाः, योगशिक्षायाः आयुर्वेदशिक्षायाः, प्रौद्योगिकीशिक्षायाः चापि केन्द्रम अस्ति। अत्र गुरुकुल-कांगड़ी-विश्वविद्यालयः देवसंस्कृति-विश्वविद्यालयः उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः पतञ्जलि-योगपीठं च प्रमुखानि शिक्षणकेन्दाणि सन्ति। अत्र भारत-हैवी-इलैक्ट्रिकल-लिमिटेड (BHEL), रूड़कीनगरे स्थितं भारतीय-प्रौद्योगिकी-संस्थानम् (IIT), अनेके नवनिर्मिताः अनेके नूतनाः उद्योगयन्त्रागाराः च देशस्य प्रगतौ महत्त्वपूर्णं योगदानं ददति। एवं प्रकारेण पौराणिक्या संस्कृत्या सह आधुनिकभारतीयविकासस्य प्रौद्योगिक्याः च अत्र दर्शनं कुर्तं शक्यते।

(क) हरिद्वारं कस्याः केन्द्रम अस्ति?

(ख) हरिद्वारे कानि प्रमुखानि शिक्षणकेन्द्राणि सन्ति?

(ग) के देशस्य प्रगतौ महत्वपूर्णं योगदानं ददति?

(घ) हरिद्वारे कस्य दर्शनं कर्तुं शक्यते?

Download from www.CCLChapter.com

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं
भास्वानुदेष्यति हसिस्यति पङ्कजालिः।
इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे
हा हन्त ! हन्त ! नलिनीं गज उज्जहार।।

(क) सुप्रभातं कदा भविष्यति?

(ख) द्विरेफः किं विचिन्तयति?

(ग) गजः काम् उज्जहार?

16. पठित पाठाधारितान **त्रीन** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×3=6

(पठित पाठों के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों का पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए)

(क) सत्सङ्गतेः जनेषु कीदृशः प्रभावः भवति?

(ख) मुनयः किं प्राप्तुं हिमालयं गच्छन्ति?

(ग) हरिद्वारं केषां प्रमुखं तीर्थस्थलम् अस्ति?

(घ) चाणक्यः कः आसीत्?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत- ½×4=2

(निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)

शब्द सूचीः - मगधदेशस्य, श्रेष्ठ, हंसः, सत्सङ्गति, प्रवहति, चाणक्याय

(क) पर्वतेषु हिमालयः ....।

(ख) सज्जनानां संगति .... भवति।

(ग) गङ्गा हिमालयात् ....।

(घ) नृपः एकवारं .... कम्बलानि दत्तवान्।

(ङ) चन्द्रगुप्तः .... नृपः आसीत्।

(च) ....नीर क्षीर विवेकी भवति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **चत्वारि** प्रश्नान् उत्तरत- 1×4=4

(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए)-

नै + अकः, सूर्य + उदयः

Download from www.CCLChapter.com

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए)-

स्वागतम्, इत्यादि

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत-

(समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए)

नीलोत्पलम्, रामलक्ष्मणौ

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गानाम् पृथककृत्वा लिखत-

(निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए)

अनभिज्ञ, अनुकूलम्

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्ध शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत-

(कोष्ठक में दिये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)

(i) ....पत्राणि पतन्ति। (वृक्षेण/वृक्षात्)

(ii) गंगा .... निस्सरति। (हिमालयेन/हिमालयात्)

19. निम्नांकित शब्दसूचीतः **चतुर्णाम्** शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत-

(निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए) ½×4=2

(क) गच्छसि (ख) पतन्ति (ग) वयम्

(घ) बालकाय (ङ) सः (च) अगच्छताम्

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरुत- 1×2=2

(निम्नलिखित वाक्यों में से **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) वह फूल सूँघती है।

(ख) हम दोनों विद्यालय गये।

(ग) तुम रामचरितमानस पढ़ो।

*****

Download from www.CCLChapter.com